बरेली, सोमवार
9 अप्रैल 2018
नगर संस्करण
पृष्ठ 1 4.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO. 07 MIDDLE

# प्रबंधन की मेहरबानी से जूनियर बने सीनियर!

**जागरण संवाददाता, बरेली :** प्रोफेसरों की वरिष्ठता सूची केवल बरेली कॉलेज की ही गड़बड़ नहीं है, बल्कि बरेली-मुरादाबाद मंडल के अधिकांश सहायता प्राप्त (एडेड) कॉलेजों का यही हाल है। शासन के आदेश के बाद क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने नौ जिलों के सभी 29 एडेड महाविद्यालयों को सुधार का पत्र भेजा है। स्पष्ट किया है कि शासनादेश के मुताबिक वरिष्ठता निर्धारित कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। बरेली कॉलेज के शिक्षकों का कहना है कि वरिष्ठता सूची में प्रबंधन और कॉलेज प्रशासन की मर्जी चली। यही हाल दूसरे एडेड कॉलेजों का भी है।

बरेली कॉलेज में करीब 28 शिक्षकों की वरिष्ठता सवालों में है। दरअसल 22 शिक्षकों को उनकी अस्थाई नियुक्ति की तिथि से तैनात मानते हुए वरिष्ठ का दर्जा दे दिया। जबकि शासन के मुताबिक स्थाई नियुक्ति की तिथि से वरिष्ठता तय होगी। अब बरेली कॉलेज ने इस मुद्दे पर जांच समिति गठित कर विधिक राय मांगी है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय प्रशासन ने कॉलेज को पत्र भेजकर चार दिन में वरिष्ठता पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है, क्योंकि यहां डीन पर पेच फंस रहा है। बहरहाल, बरेली कॉलेज के अलावा अभी तक एक भी कॉलेज ने अपनी वरिष्ठता सूची की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को नहीं सौंपी है।